आर्थिक विकास के साथ रोजगार के नए अवसर बढ़ाने पर मंथन

योगी ने रोजगार सृजन को लेकर अधिकारियों के साथ की बैठक, विभागों को योजना बनाने के निर्देश

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नए भारत का नया उत्तर प्रदेश आर्थिक विकास के साथ रोजगार के नए अवसर उपब्लध कराने में अहम भूमिका निभाएगा। बृहस्पतिवार को अपने सरकारी आवास पर रोजगार सृजन को लेकर बुलाई गई बैठक में सीएम ने अधिकारियों को अपने-अपने विभाग में ठोस कार्य योजना के साथ रोजगार सृजन के निर्देश दिए।

बैठक में कृषि और इंडस्ट्री में रोजगार पर फोकस किया गया। डिफेंस और डिजिटल इकॉनमी बढ़ाने पर बात हुई। उन्होंने दस खरब डालर अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को गति देने के लिए विशेषज्ञों का सहयोग लेने के भी निर्देश दिए।

बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के युवाओं को उनकी योग्यता और कौशल के अनुसार समयबद्ध तरीके से रोजगार उपलब्ध कराना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। ऐसे में स्थानीय संसाधनों का उपयोग करते हुए ज्यादा से ज्यादा रोजगार के अवसर तैयार किए जाएं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि युवाओं को उद्यमी बनाने के लिए कौशल विकास के कार्यक्रम और प्रभावी बनाए जाएं।

अधिकारियों के साथ बैठक करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। स्रोत : सूचना विभाग

सीएम डैशबोर्ड से हो रही यूपी को दस खरब डालर की अर्थव्यवस्था बनाने के काम की निगरानी : प्रदेश सरकार यूपी को दस खरब डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने के लिए सेक्टरवाइज काम कर रही है। इसके अंतर्गत विभागों को 10 सेक्टर में बांटकर काम किए जा रहे हैं। इन सेक्टरों के साथ प्रदेश के सभी विभागों को जोड़ा गया है। इनकी समीक्षा हर तीन महीने में मुख्यमंत्री स्वयं करते हैं। हर माह संबंधित विभागों के मंत्रियों द्वारा समीक्षा की जाती है। प्रत्येक 15 दिन में विभाग के प्रशासनिक प्रमुख द्वारा समीक्षा की जाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दस खरब डालर की अर्थव्यवस्था बनाने के कामकाज की निगरानी सीएम डैशबोर्ड द्वारा की जा रही है।

महाकुंभ को बनाएं अवसर...

रोजगार, कौशल विकास ज्ञान व तकनीक पर हो चर्चा

सीएम ने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन, निर्माण और विनिर्माण में सबसे ज्यादा रोजगार के अवसर की संभावनाएं हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ-25 हमारे लिये प्रदेश की छवि को देश और दुनिया के सामने रखने का बेहतर अवसर है। महाकुंभ धर्म, अध्यात्म और संस्कृति का समागम है। महाकुंभ में रोजगार, कौशल विकास, ज्ञान व तकनीक पर विचार विमर्श होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हर जिले में सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल बनाने की दिशा में आगे बढ़ना होगा और टेलीमेडिसिन के कार्यों को और गति देनी होगी। सीएम ने यूपीएसआरटीसी की बसों की संख्या और नए रूट तैयार करने के निर्देश दिए।